भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

लोक सभा

लिखित प्रश्न सं. +2336

सोमवार, 13 दिसम्बर, 2021/22 अग्रहायण, 1943 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

अलप्पुझा के पर्यटन स्थल को विकसित करने के लिए वित्तीय सहायता

+2336. एडवोकेट ए.एम. आरिफ:

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार को इस बात की जानकारी है कि केरल के अलप्पुझा जिले में पश्चजल देश में अंतरराष्ट्रीय और घरेलू पर्यटकों के लिए सबसे अधिक आकर्षक पर्यटन स्थलों में से एक है;

(ख) क्या सरकार का विचार अलप्पुझा और उसके आसपास पश्चजल, समुद्र तटीय क्षेत्र और स्मारक को जोड़ने के लिए एक व्यापक पर्यटन परियोजना विकसित करना है;

(ग) क्या सरकार का विचार अलप्पुझा को हाउसबोट पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने के लिए अवसंरचना सुविधाएं बढ़ाने हेतु वित्तीय सहायता प्रदान करना है; और

(घ) क्या सरकार का विचार भारतीय पर्यटन में इसके संवर्धन मूल्य पर विचार करते हुए नेहरू ट्रॉफी बोट रेस, अलप्पुझा में पुन्नमदा झील में प्रतिवर्ष आयोजित होने वाले स्नेक बोट की प्रतियोगिता को वित्तीय सहायता प्रदान करने का है और यदि नहीं तो इसके क्या कारण है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री जी. किशन रेड्डी)

(क): जी हाँ, महोदय। केरल के अलप्पुझा जिले में पश्चजल देश में अंतरराष्ट्रीय और घरेलू पर्यटकों के लिए सर्वाधिक आकर्षक पर्यटन स्थलों में से एक है।

(ख) और (ग): पर्यटन का विकास और संवर्धन मुख्य रूप से राज्य सरकार/संघ राज्य क्षेत्र प्रशासन की जिम्मेदारी है। यद्यपि केरल सहित देश में पर्यटन अवसंरचना के विकास के लिए पर्यटन मंत्रालय अपनी स्वदेश दर्शन योजना के तहत राज्य सरकारों/केंद्र शासित प्रदेश प्रशासनों/केंद्रीय एजेंसियों को वित्तीय सहायता प्रदान करता है।

पर्यटन मंत्रालय अपनी स्वदेश दर्शन योजना के तहत किसी नई परियोजना की स्वीकृति नहीं दे रहा है। तथापि पर्यटन विभाग, केरल सरकार ने सूचित किया है कि उनके पास तश्चजल,

तटीय क्षेत्रों और स्मारकों को जोड़ने के लिए एक व्यापक परियोजना अर्थात अलप्पुझा विरासत परियोजना है।

(घ): पर्यटन मंत्रालय अपनी 'आतिथ्य सहित घरेलू संवर्द्धन एवं प्रचार' की एक अन्य योजना के तहत राज्य सरकारों/संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों को मेलों/त्योहारों और पर्यटन संबंधी कार्यक्रमों जैसे सेमिनार, कॉन्क्लेव, सम्मेलनों आदि के आयोजन के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करता है। पर्यटन मंत्रालय ने वर्ष 2018-19 और 2019-2020 के लिए क्रमश: 66वीं और 67वीं नेहरू ट्रॉफी बोट रेस के लिए 25-25 लाख रुपये मंजूर किए हैं।

****